

**Department of Hindi**  
**Punjabi University, Patiala**

**Syllabus for Ph.D. Executive Entrance Test**  
**Session-2026-2027**  
**Section-A**  
**(Research Methodology)**

**(क) शोध प्रविधि** — व्युत्पत्ति, अर्थ तथा अन्य समानार्थक शब्द

शोध का प्रयोजन तत्त्व और स्वरूप

शोध एवं आलोचना

हिंदी में शोध कार्य की परंपरा

हिंदी शोध की समस्याएं

**(ख) शोध के प्रकार**

1. शुद्ध साहित्यिक शोध —

1. साहित्यिक शोध
2. तुलनात्मक साहित्यिक शोध
3. लोक साहित्य संबंधी शोध
4. पांडुलिपि से संबंधित शोध

2. अंतरविधावर्ती शोध—

1. साहित्य की समाजशास्त्रीय शोध
2. साहित्य की मनोवैज्ञानिक शोध
3. साहित्य की सांस्कृतिक शोध

**ग. शोध की वैज्ञानिक दृष्टि**— तथ्यानुसंधान और तथ्य परीक्षण।

संबंध-सूत्रों का अन्वेषण। आगमन और निगमन प्रणालियां।

प्रमाण मीमांसा। (साहित्यिक नकल पूर्वकृत कार्य की नकल) अंतर्विरोध और समग्रता की पहचान।

**घ. विषय-चयन तथा शोध-प्रविधि**—

1.विषय चयन 2.विषय की रूपरेखा 3. सामग्री संकलन 4.सामग्री का विभाजन 5.उद्धरण तथा संदर्भलेख/पाद टिप्पणी की पद्धति 6.उपसंहार एवं उपलब्धि 7.परिशिष्ट 8.अनुक्रमणिका

### **ड. शोध और नैतिक प्रतिमान**

1. शोध का नैतिकता से संबंध 2.शोध कार्य में ईमानदारी 3. विषय के प्रति प्रतिबद्धता 4.तथ्यों के संग्रह में नैतिक ईमानदारी 5.व्याख्यात्मक ईमानदारी 6. पूर्वकृत शोध कार्य के यथारूप प्रस्तुतीकरण से संकोच

## **Section-B**

### **(Subject)**

**हिंदी भाषा और भाषा विज्ञान-** (क) हिंदी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि-प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएं, मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाएं, आधुनिक भारतीय आर्य भाषाएं और उनका वर्गीकरण, हिंदी का भूगोलिक विस्तार, हिंदी भाषा प्रयोग के विविध रूप-बोली, मानक भाषा, राजभाषा, राष्ट्रभाषा और संपर्क भाषा, हिंदी की संवैधानिक स्थिति, देवनागरी लिपि की विशेषताएं एवं मानकीकरण।

**हिंदी का भाषिक स्वरूप-** हिंदी की स्वनिम व्यवस्था, ध्वनियों के वर्गीकरण का आधार, हिंदी शब्द रचना-उपसर्ग, प्रत्यय, समास, हिंदी की रूप रचना-लिंग, वचन और कारक व्यवस्था के संदर्भ में संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रिया रूप, हिंदी की वाक्य संरचना।

**(ख) भाषा विज्ञान-**भाषा की उत्पत्ति के सिद्धांत, भाषा की विशेषताएं, भाषा का विकास, परिवर्तन और उसके कारण।

**ध्वनि-विज्ञान-** ध्वनियों का वर्गीकरण। ध्वनि- नियम, ग्रिम-नियम, ग्रासमेन-नियम, बर्नर-नियम। अर्थ-विज्ञान - अर्थ-परिवर्तन, अर्थ-परिवर्तन की दिशाएं (प्रकार), अर्थ परिवर्तन के कारण।

**वाक्य विज्ञान-** स्वरूप, प्रकार, परिवर्तन के कारण।

## **ईकाई - III**

**हिंदी साहित्य का इतिहास** - (आदिकाल से आधुनिक काल तक)

## ईकाई - IV

### हिंदी काव्य

**आदिकालीन काव्य:-** संदेश रासक, अमीर खुसरो की पहेलियां, विद्यापति की पदावली(संपादक डॉ. नरेन्द्र झा), प्रथम-20पद।

**भक्तिकालीन काव्य:-** कबीर : (साखीयां), गुरुदेव कौ अंग, बिरहा कौ अंग, चितावणी कौ अंग, माया कौ अंग, मां कौ अंग, उपदेस कौ अंग, संगति कौ अंग, साध कौ अंग, सुमिरण कौ अंग, बीनती कौ अंग (संपादक श्यामसुंदर दास)

जायसी : पद्मावत – नागमती वियोग खंड

सूरदास : सूरसागर – भ्रमरगीत सार

तुलसीदास : रामचरितमानस (सुंदरकाण्ड, उत्तरकाण्ड),

विनयपत्रिका

**रीतिकालीन काव्य:-** बिहारी : बिहारी का नया मूल्यांकन (बच्चन सिंह) ( 1-20 पद)

घनानंद : घनानंद कवित्त (विश्वनाथ मिश्र) (1-20 पद)

मीरा : विश्वनाथ त्रिपाठी (1-20 पद)

गुरु गोबिंद सिंह : बचित्र नाटक

**आधुनिक काल:-** मैथिलीशरण गुप्त : साकेत केवल नवम सर्ग

जयशंकर प्रसाद : कामायनी केवल श्रद्धा, आनंद सर्ग

सूर्यकांत त्रिपाठी निराला : जूही की कली, कुकुरमुता, भिक्षुक

सुमित्रानंदन पंत : नौका, विहार, ताज

महादेवी वर्मा : मैं नीर भरी दुख की बदली, बीन भी मैं हूँ मैं

तुम्हारी रागिनी भी हूँ

रामधारी सिंह दिनकर : रश्मिरथी

अज्ञेय : असाध्यवीणा

मुक्तिबोध : अंधेरे में

धूमिल : मोचीराम, अकाल दर्शन, शांति पाठ

### ईकाई - V

#### हिंदी कथा साहित्य

प्रेमचन्द - गोदान

अज्ञेय - शेखर एक जीवनी

हजारी प्रसाद द्विवेदी - बाणभट्ट की आत्मकथा

अमृत लाल नागर - मानस का हंस

भीष्म साहनी - तमस

श्री लाल शुक्ल - राग दरबारी

#### कहानियां

माधवराव सप्रे - एक टोकरी भर मिट्टी

प्रेमचन्द - ईदगाह, कफन, पूस की रात, शतरंज के खिलाड़ी

चन्द्रधर शर्मा गुलेरी - उसने कहा था

जयशंकर प्रसाद - आकाशदीप

फणीश्वरनाथ रेणु - तीसरी कसम, लाल पान की बेगम

अज्ञेय - गैंग्रीन

भीष्म साहनी - अमृतसर आ गया, चीफ की दावत

कृष्णा सोबती - सिक्का बदल गया

निर्मल वर्मा - परिते

### ईकाई - VI

#### हिंदी नाटक

भारतेन्दु – अंधेर नगरी

जयशंकर प्रसाद – स्कंदगुप्त

धर्मवीर भारती – अंधायुग

मोहन राकेश – आधे-अधूरे, आषाढ़ का एक दिन

सर्वेश्वरदयाल सक्सेना – बकरी

उपेन्द्रनाथ अशक – अंजो दीदी

मन्नू भंडारी – महाभोज

स्वदेश दीपक – कोर्ट मार्शल

### ईकाई - VII

#### निबंध

भारतेन्दु – दिल्ली दरबार दर्पण

रामचंद्र शुक्ल – श्रद्धा और भक्ति, काव्य में लोकमंगल की साधनावस्था, कविता क्या है

हजारी प्रसाद द्विवेदी – नाखून क्यों बढ़ते हैं, कुटज

विद्यानिवास मिश्र – मेरे राम का मुकुट भीग रहा है

अध्यापक पूर्ण सिंह – मजदूरी और प्रेम

इंद्रनाथ मदान – रद्दी टोकरी, हास्य और व्यंग्य बीमार पड़ने पर

### ईकाई - VIII

भारतीय काव्यशास्त्र : काव्य की परिभाषा, भेद, लक्षण, हेतु, प्रयोजन, काव्यशास्त्र के विविध

सम्प्रदाय, रस सिद्धांत, साधारणीकरण।

सहृदय की अवधारणा, रस निष्पत्ति, शब्द शक्तियां।

पाश्चात्य काव्यशास्त्र : अरस्तु : विरेचन, त्रासदी।

प्लेटो : अनुकरण।

आई.ए.रिचर्ड्स : मूल्य सिद्धांत, सम्प्रेषण सिद्धांत।

टी.एस.इलियट : निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत।

नयी समीक्षा, संरचनावाद, उत्तर संरचनावाद, विखण्डनवाद।

### **ईकाई - IX**

#### **लोक साहित्य**

लोक की अवधारणा, लोक विज्ञान और लोक वार्ता।

लोक संस्कृति : अवधारणा, स्वरूप।

लोक साहित्य : वर्गीकरण।

पंजाब का लोक साहित्य : सामान्य परिचय।

### **ईकाई - X**

#### **प्रयोजनमूलक हिंदी**

अनुवाद : अवधारणा, परम्परा, महत्व, प्रविधि, प्रक्रिया, मशीनी अनुवाद।

पत्रकारिता : अवधारणा, प्रकार, क्षेत्र, हिंदी पत्रकारिता का इतिहास।

कंप्यूटर-परिचय, रूपरेखा और उपयोग।

मीडिया और डिजिटल मीडिया : मीडिया : अवधारणा, स्वरूप।

डिजिटल मीडिया : अवधारणा, प्रकार।

सोशल मीडिया।